रियाज़ में एक साल में हम क्या-क्या करेंगे

रियाज़ इलस्ट्रेशन की बारीकियों को समझने और उन्हें हासिल करने का एक मौका है। एक मौका जहाँ एक पूरे साल आप इलस्ट्रेशन के इलाके के अनुभवी उस्तादों के साथ काम करते हैं। उनके काम को नजदीक से देख पाते हैं। उनके इलस्ट्रेशन करने की यात्रा समझ पाते हैं। उनके साथ मिलकर इलस्ट्रेशन के प्रमुख सवालों पर बातचीत कर पाते हैं। और अपने सवालों के उत्तर भी खोज पाते हैं। इस कोर्स से जुड़कर आप इस इलाके में हो रहे काम पर विचार कर पाते हैं। पूरी दुनिया में इलस्ट्रेशन में क्या हो रहा है। हमारे देश में क्या हो रहा है। आप जाने माने कई इलस्ट्रेटर्स के काम को देख तथा समझ पाते हैं।

इस कोर्स की खासियत है कि यह औपचारिक तथा अनौपचारिक का एक बढ़िया मिक्स है। यह सिर्फ पढ़कर या किताबें देखकर समझने भर नहीं है बल्कि इसमें चीज़ों को आज़माने का और करके देखने का मौका है। उस्तादों से आप किसी चित्र का डिमोंसट्रेशन देने का आग्रह कर सकते हैं। यानी चित्र की दुनिया को समझे के लिए रेखा तथा रंग संयोजन, कपोजिशन, पर्सपेक्टिव सरीखे मसले पर बातचीत तथा उन्हें लगातार आज़मा के हासिल करने का मौका है। स्कैंचिग रियाज़ की नियमित गतिविधि है। एक साल में आप सैंकड़ों स्कैच बना चुके होते हैं। यानी आप जब साल भर बाद घर लौट रहे होंगे तो बारह घण्टे का सफर आप सिर्फ अपने स्कैच देखकर पूरा कर सकते हैं।

इसके अलावा इस कोर्स में पढ़कर किसी टैक्स्ट को समझने पर काफी काम किया जाता है। कविता, कहानी आदि के फार्म तथा किरदार, टाइम, स्पेस, भाषा, कहन, मेटाफर, विम्ब जैसी सैंकड़ों चीज़ों पर आप औपचारिक तथा अनौपचारिक चर्चा करते रहते हैं। आप इस कशमकश में लगे रहते हैं कि किसी टैक्स्ट की कौन सी चीज़ आप चित्र में दिखाएँगे। और इन सब मसलों पर बात करते हुए सामूहिक सत्र में आप के सामने आपको चित्र बनाने को मिली कहानी के सौ विकल्प आपके ही साथी आपको बताएँगे...आप टोटली कन्फ्यूज़ हो जाएँगे...और इस क्षण का आनंद होगा कि आप रचना के भीतर उसकी पसलियों में घूम रहे हैं। आप उसकी धड़कनें सुन पा रहे हैं। तो फिर कौन सी जगह का चित्र बनाना आप चुनेंगे? और जब किसी पहलू का चित्र बनाना चुन रहे होते हैं तभी आप यह भी समझ रहे होते हैं कि असल में उस कहानी के लिए यह चित्र क्या भूमिका अदा करेगा। यानी कोई पाठक आपके चित्र को देखे बिना कहानी पढ़ेगा तो उससे क्या छूट सकता है।

आपकी कोशिश रहेगी कि आपका चित्र उस कहानी के लिए या टैक्स्ट के लिए बेहद ज़रूरी चीज़ बन जाए।

इस यात्रा में आप कई जाने-माने लेखकों, कवियों को सुनेंगे। उनसे जानेंगे कि वे कैसे किसी चीज़ को समझते हैं। अपने किसी टैक्स्ट को लेकर उनकी व्याख्या क्या है। और वे किस तरह के चित्र का प्रस्ताव देंगे।

फिर मसला है लेआउट डिज़ाइन का। किसी टैक्स्ट के साथ इलस्ट्रेशन कितना बड़ा, किस जगह, कैसे छपेगा और टैक्स्ट और इलस्ट्रेशन मिलकर दो पेज की जगह कैसी दिखेगी। बिना इस काम के एक इलस्ट्रेटर का काम अधूरा ही रहता है। छपाई आदि यानी प्रोडक्शन के काम का बुनियादी एक्सपोज़र भी इस कोर्स का हिस्सा है।

इस कोर्स में दो और बहुत अहम बिन्दु हैं -

पाटकों की पहचान - इसमें बच्चों के सीखने, भाषा सीखने तथा अलग-अलग बचपनों से मिलना, समझने के मौके हैं तथा बच्चों से सीधे जाकर चित्र तथा रचना को परखने के मौके भी हैं। दुनिया की कुछ बेहतरीन किताबों को देखने और उन पर विचार विमर्श इसमें शामिल है।

प्रकाशकों के साथ काम का मौका

एक वर्ष के कोर्स में कम से कम दो प्रकाशकों के साथ कार्यशालाएँ या अन्य तरीके से जुड़ने और काम के मौके। इसके अलावा किसी एक प्रकाशक के साथ कम से कम 15 दिन की इंटर्नशिप का मौका। इसमें न सिर्फ आप एक किताब के विभिन्न चरणों को अनुभव कर सकेंगे।

इस एक वर्ष के कोर्स में आपको कम से कम एक चित्रकथा बनानी ही होती है। ताकि आप इस पूरी प्रक्रिया एक कहानी के आइडिए पर काम करना। उस कहानी को एक चित्रकथा के रूप में प्रस्तुत करने के लिए काट छाँट करना। और फिर तय करना कि कौन सी चीज़ आप शब्द से कहेंगे और कौन सी चित्र से। और कौन सी बातें कहानी से और चित्र दोनों से अलग कर देंगे क्योंकि उन्हें अलग से कहने की ज़रूरत नहीं है।

इसके अलावा विभिन्न प्रकाशकों के लिए कम से कम दस इलस्ट्रेशन बनाने होते हैं। यानी जिन इलस्ट्रेशन्स पर आप काम करके सीख रहे होते हैं वे कहीं प्रकाशित होंगे।

अलग-अलग इलाकों का भ्रमण ताकि आप अलग-अलग लैंडस्केप के स्कैच बना सकें। विभिन्न लोगों से मिल सकें। उनसे बातें करें। उनमें से किसी एक का किरदार लिखें और उसका चित्रांकन।

विश्व पुस्तक मेले दिल्ली में कम से कम चार दिन भाग लेने का एक मौका मिलता है ताकि आप देश विदेश की किताबों के संसार से परिचित हो सकें।

रियाज़ के एक साल की यात्रा में यह सब करने का मौका मिलता है। एक वर्ष के पूरे काम में से चुनिंदा काम की एक प्रदर्शनी होती है। पिछले वर्ष यह प्रदर्शनी भोपाल में हुई थी। इसमें मशहूर गीतकार इरशाद कामिल, कवि राजेश जोशी जैसे कई लेखकों, चित्रकारों ने भाग लिया था।